नया सवेरा

टीटू, नीटू (दो कार्टून कैरेक्टर, मिकी माउस की ड्रेस पहने हुए)
– हम भी साइकिल यात्रा पर जायेंगे। खूब सेवा करेंगे। खूब मजा आयेगा।

युवा शांतिदूत साइकिल पर जा रहे हैं।
गीत बजता है - युवा तू बन स्वर्ग महान, तू है सारे जग की शान
नीटू (गीत गाता है)– अ दूर के मुसाफिर हमको भी साथ ले ले रे..हम रह गये अकेले
यात्री – चलो..चलो..

(टीटू उबासी लेता है)
टीटू – मुझे रात भर नींद नहीं आई, ट्रेन में ऊपर की सीट मिली।
नीटू- अरे, नीचे की सीट वाले से एक्सचेंज कर लेता।
टीटू – किससे एक्सचेंज करता, नीचे की सीट पर तो कोई था ही नहीं।

अच्छा टीटू सोचो तुम समुद्र में बोटिंग कर रहे, अचानक तूफान आ गया, बोट डूबने लगे, तुम्हारे चारों तरफ शार्क हों तो तुम अपने को बचाने के लिए क्या करोगे?
वेरी सिम्पल, सोचना बंद कर दूँगा।

(गीत: युवा तू बन स्वर्ग महान, तू है सारे जग की शान)
एक जगह कार्यक्रम हो रहा है –
नीटू – अच्छा इस जगह मैं बोलता हूँ।
टीटू – तुझे बोलना भी आता है?
नीटू – हाँ राजयोग पर बोलना आता है।
मेरे में एक ही तो अच्छी बात है, मैं बोलता अच्छा हूँ।

टेंशन और डिप्रेशन रहता हो गर सुबह-शाम
छोटी बातों में मन हो जाता गर परेशान
तो एक ही है इसका सहज समाधान
राजयोग मेडिटेशन

बात-बात में गर गुस्सा आता है
चाहकर भी कंट्रोल न हो पाता है
नशे के बन गये हो गर गुलाम
तो करिये एक यह भी काम

राजयोग मेडिटेशन

घर में हो या बाहर, शांति कहीं मिलती नहीं
मन उदास, निराश, दिल कहीं लगती नहीं
एक ही है उसका हल
राजयोग मेडिटेशन

सभी – अरे यह प्रवचन कर रहा है या कोई प्रोडक्ट का एडवरटाइजमेंट

अरे नीटू, तुमने तो बहुत अच्छा बोला। मुबारक हो।
नीटू– मुझे पता था, मैं अच्छा बोलता हूँ।

फिर सभी चल पड़ते हैं।
सामने एक युवक निराश हताश आत्महत्या करने जा रहा।
साइकिल के सामने आ जाता है
एक यात्री – अरे,अरे, पागल हो गये हो क्या?
निराश युवक- मुझे नहीं जीना, मैं जीना नहीं चाहता।
यात्री – क्या हुआ?
निराश युवक –
कोई नहीं है अपना
लगता है सब सपना
अब ये जीवन तो है बेकार
इसमें नहीं है कोई सार
सफलता चली गई मुझसे कोसो दूर
पहले नहीं था मैं इतना बेबस, इतना मजबूर
क्या करूँ, कहाँ जाऊँ
किसको अपना दुखड़ा सुनाऊँ
नहीं रहा जीने का कोई अर्थ
नहीं सहा जाता अब ये दर्द

यात्री – छोटी सी ये जिंदगी, हंसके जियो
भुलाके गम सारे, सर उठाके जियो
उदासी में क्या रखा है, मुसकराके जियो
अपने लिए ना सही, अपनों के लिए जियो।

नीटू – कभी खुशी की आशा
कभी गम की निराशा
कभी सपनों की चांदनी
कभी हकीकत की छाया
कुछ खोकर कुछ पाने की आशा
दोस्त, यही है जिंदगी की परिभाषा
(गीत – ये हौंसला कैसे झुके..ये आरजू कैसे...)

यात्री –
क्यों तुम उदास हो
निराश हो
ये जीवन तो है प्रभु उपहार
इसको दो पूरा सत्कार
सब कुछ तुम कर सकते हो
अपना भाग्य बदल सकते हो
तुम अगर चाहोगे
संसार बदल जायेगा
सुख-शान्ति का एक सवेरा आयेगा

निराश युवक (नये उत्साह से)
ओ दिव्य फरिश्तों, शुक्रिया लाखों बार
सदा याद रहेगा आपका ये प्रेरणादायी प्यार
अब आया मुझमें आत्मविश्वास
मैं चाहूं जो कर सकता हूँ
अपने जीवन को बदल सकता हूँ,
मैं जाऊँगा सेन्टर अब हर दिन
बनाऊँगा श्रेष्ठ अपना जीवन

(गीत बजता है – आशायें आशायें.....)

नीटू (टीटू से) – अच्छा टीटू, तुम्हारा जी.के.कैसा है?
टीटू – फर्स्टक्लास
नीटू – तो चल बता, अपना देश कौन चला रहा है?

टीटू – एस.एम.एस.
नीटू – क्या बोलता है
टीटू – सरदार मनमोहन सिंह

टीटू – अच्छा अब मैं तुमसे पूछता हूँ। बता, अमेरिका के राष्ट्रपति कहाँ रहते हैं?
नीटू – वेरी सिम्पल, अमेरिका में।
टीटू – अरे इतना नहीं पता, धोबीघाट पे
नीटू – धोबीघाट बोले तो
टीटू – वाशिंग टाउन

(रास्ते में एक व्यसनी युवक शराब पीकर गिरा हुआ है, गाता है – मैंने तो नहीं पी है)

एक यात्री – अरे भैया, यह दुर्दशा, आप युवा तो देश का भविष्य हो। आप जानते हो, यह नशा धीरे-धीरे आपको मौत की तरफ ले जा रहा है।

शराबी – अरे, यहाँ मरने की भी किसको जल्दी है? वैसे आप हैं कौन, सब व्हाइट व्हाइट, कोई भूत-प्रेत तो नहीं हो ना मेरे भाई।

यात्री – अरे नहीं भैया, हम युवा शांतिदूत हैं, आप जैसे युवाओं के जीवन को श्रेष्ठ बनाने निकले हैं। आपकी यह हालत कैसे हुई।

व्यसनों से बर्बाद हुई मेरी जिंदगानी
कुछ पल के मजे की है ये कहानी।
तन और मन से हो गया कमजोर
धन भी बह गया जैसे पानी।
क्या करूँ, कहाँ जाऊँ, जीवन में है निराशा
कैसे करूँ, किसी से भी मदद की भी आशा।
स्वयं को व्यसनों का गुलाम बनाकर
खुशियाँ गंवा दी, पाई है बस हताशा।

यात्री – व्यसनो ंकी गुलामी का
यही होता अंजाम
खुशियों की जिंदगी को
लग जाता विराम
किंतु उसे नहीं कहते कि राह है भूला
सुबह का भूला गर घर आये शाम।
ये तन है जिंदगी का अनमोल उपहार

व्यसनों से इसको ना करना बेकार।
राजयोग से जीवन का होगा सुधार,
मन में जब भर लोगे प्रभु का प्यार।
आत्मबल से मिलेगी व्यसनों से मुक्ति
राजयोग है आत्मबल बढ़ाने की युक्ति।
सद्‌गुण के पुष्पों से महकेगा जीवन
अवगुण से होगी मन को विरक्ति।

व्यसनी –
अब ईश्वरीय नशे से मन को भरपूर बनाऊँगा।
जीवन को व्यसनों से मुक्त कर दिखाऊँगा।
राजयोग से आत्मबल को बढ़ाकर
खोई हुई खुशियों का खजाना फिर से पाऊँगा।

(जलते हुए अंगारों पर हमें शीतल जल....)

नीटू – कभी खुद को फोन लगाकर देखो
एंगेज टोन सुनाई देगी
दुनिया से मिलने में सब मस्त हैं
और खुद से मिलने की सारी लाइनें व्यस्त हैं
कौन कहता है बहादुरों से दुनिया है खाली
तो बजाओ मेरे लिए जोर से ताली...

(समाप्त)